Dainik Jagaran

EDII

May 10, 2022

ईडीआइआइ व गोविवि बढ़ाएंगे उद्यमिता

दोनों संस्थानों के बीच हुआ करार, प्रमुखों ने करारनामे पर किए हस्ताक्षर

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : पूर्वांचल में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नए अवसर तलाशने में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और एंटरप्रिन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (ईडीआइआइ) मिलकर काम करेंगे। इसे लेकर दोनों संस्थानों ने करार किया है। सोमवार को विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो राजेश सिंह और ईडीआइआइ की ओर से महानिदेशक डा. सुनील शुक्ला ने गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे की उपस्थिति में करारनामा पर हस्ताक्षर किया। ये दोनों संस्थाएं कार्यक्रमों, अनुसंधान और पॉलिसी एडवोकेसी के माध्यम से बड़े पैमाने पर छात्रों और समाज के बीच एंटरप्रिन्योरशिप को एक व्यावहारिक कैरियर विकल्प के रूप में स्थापित करने की कोशिश करेंगी। ईडीआइआइ, अहमदाबाद एक स्वायत्त और गैर-लाभकारी संस्थान है, जिसकी स्थापना 1983 में हुई थी। उद्यमिता शिक्षा, अनुसंधान, पॉलिसी एडवोकेसी, स्टार्ट अप और नवाचार, एमएसएमई विकास,

पूर्वांचल में उद्यमिता को बढ़ावा देने को नए अवसरों की तलाश करने की दिशा में समन्वित प्रयास करने के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह और ईडीआइआइ के महानिदेशक डा. सुनील शुक्ला ने गुजरात केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए • सौ. विवि मीडिया सेल

ट्रेनिंग और इंस्टीट्यूशन बिल्डिंग में एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संसाधन संस्थान है। आइडीबीआइ बैंक लिमिटेड, आइएफसीआइ लिमिटेड, आइसीआइसीआइ बैंक लिमिटेड और भारतीय स्टेट बैंक और गुजरात सरकार इसके प्रमोटर हैं। करार के तहत इनोवेशन, एंटरप्रिन्योरशिप और स्टार्टअप में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ एंटरप्रिन्योरशिप सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम, उद्यमिता में क्षेत्र विशेष कार्यक्रम, उद्यमिता जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम और उद्यमिता अनुसंधान से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा नए विचार और इनोवेशन को भी केंद्र में रखा जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने कहा कि उद्यमिता एक ऐसा विषय है, जिसे लेकर छात्रों को अवसर देने की जरूरत है। निश्चित रूप से यह समझौता विद्यार्थियों को उद्यमिता के बारे में नवीन जानकारी से अपडेट करेगा। डा. सुनील शुक्ला ने कहा कि ईडीआइ उद्यमशीलता और स्टार्टअप के लिए एक उत्साहित वातावरण बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इस दिशा में यह करार बेहतर परिणाम देगा।

काशी वि
विश्वविद्
An Institution of N
पीएच.डी
पाठ
सत्र 2022–23 के
/समेकित एम.फिल.-
पाठ्यक्रमों) में प्रवेश हे
आवेदन करने के अहं
(www.bhuonline
पोर्टल पर दिनांक 10
2022 है। आरईटी का

ईडीआईआई व डीडीयू के बीच हुआ करार

गोरखपुर, निज संवाददाता । एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) और गोरखपुर विश्वविद्यालय ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इसके तहत विभिन्न सहयोगी पहलों, कार्यक्रमों, अनुसंधान और पॉलिसी एडवोकेसी के माध्यम से बड़े पैमाने पर छात्रों और समाज के बीच एंटरप्रेन्योरशिप को एक व्यावहारिक कैरियर विकल्प के रूप में स्थापित करने के लिए कार्य किया जाएगा। पूर्वांचल में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नए अवसरों की तलाश करने की दिशा में समन्वित प्रयास किए जाएंगे। डीडीयू के कुलपति प्रो. राजेश सिंह व ईडीआईआई महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई), अहमदाबाद एक स्वायत्त और गैर लाभकारी संस्थान है। उद्यमिता शिक्षा, अनुसंधान, पॉलिसी एडवोकेसी, स्टार्ट अप और नवाचार, एमएसएमई विकास, ट्रेनिंग और इंस्टीट्यूशन बिल्डिंग में एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संसाधन संस्थान है। आईडीबीआई बैंक लिमिटेड, आईएफसीआई लिमिटेड आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड और एसबीआई व गुजरात सरकार इसके प्रमोटर हैं। ईडीआईआई को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सेंटर ऑफ एक्सीलैंस के रूप में मान्यता दी गई है। हाल ही में संस्थान को शिक्षा मंत्रालय, सरकार द्वारा अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशंस ऑन इनोवेशन अचीवमेंट्स (एआरआईआईए)-2021 में सामान्य (गैर-तकनीकी) श्रेणी के तहत प्रथम स्थान दिया गया है।

ईडीआईआई व गोरखपुर विश्वविद्यालय के बीच करार

गोरखपुर (एसएनबी)। एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) और डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय ने विभिन्न सहयोगी पहलों, कार्यक्रमों, अनुसंधान और पॉलिसी एडवोकेसी के माध्यम से बड़े पैमाने पर छात्रों और समाज के बीच एंटरप्रेन्योरशिप को एक व्यावहारिक कैरियर विकल्प के रूप में स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत पूर्वांचल क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नए अवसरों की तलाश करने की दिशा में समन्वित प्रयास किए जाएंगे।

प्रो. राजेश सिंह, कुलपति, डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय और डॉ. सुनील शुक्ला, ईडीआईआई महानिदेशक ने प्रो. रमा शंकर दुबे, कुलपति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई), अहमदाबाद एक स्वायत्त और गैर-लाभकारी संस्थान है, जिसकी स्थापना 1983 में की गई थी। ईडीआईआई को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सेंटर ऑफ एक्सीलैंस के रूप में मान्यता दी गई है। हाल ही में संस्थान को शिक्षा मंत्रालय, सरकार द्वारा अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशंस ऑन इनोवेशन अचीवमेंट्स (एआरआईआईए)-2021 में सामान्य (गैर-तकनीकी) श्रेणी के तहत नंबर 1 के रूप में भी स्थान दिया गया है।

एंटरप्रेन्योरशिप को मिलकर करेंगे मजबूत

समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर

नवीन साझेदारी के तहत इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और स्टार्टअप्स में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ एंटरप्रेन्योरशिप सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम, उद्यमिता में क्षेत्र विशेष कार्यक्रम, उद्यमिता जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम और उद्यमिता अनुसंधान से संबंधित कार्यक्रत भी आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा, नए विचार और इनोवेशन को भी केंद्र में रखा जाएगा।

उद्यमिता को एक कैरियर के रूप में स्थापित करने की इस प्रक्रिया को दीर्घकालिक बनाने के लिए, ईडीआईआई ऐसे फेकल्टी ट्रेनर्स-मेंटर्स के एक कैडर को भी प्रशिक्षित और स्थापित करेगा जो इस तरह के कार्यक्रमों को डिजाइन और प्रस्तुत कर सकते हैं। ईडीआईआई विशेष रूप से उद्यमिता में संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम शुरू करने में डीडीयू के साथ सहयोग करेगा और नीति निर्माण और प्रसार में योगदान देगा।

प्रो. राजेश सिंह, कुलपति, डीडीयू, गोरखपुर विश्वविद्यालय ने कहा कि उद्यमिता एक ऐसा विषय है जिसे छात्रों को उपलब्ध अवसरों को देखते हुए और अधिक एक्सप्लोर करने की जरूरत है। ऐसे कार्यक्रमों में कौशल और क्षमता निर्माण पर जोर दिया जाता है। यह समझौता ज्ञापन छात्रों को एक सही दिशा दिखाएगा, उद्यमिता के बारे में उन्हें नवीन जानकारी से अपडेट करेगा। डॉ. सुनील शुक्ला, ईडीआईआई महानिदेशक ने कहा कि ईडीआईआई उद्यमशीलता और स्टार्ट अप के लिए एक उत्साहित वातावरण बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हम इस एमओयू के तहत भी बेहतर परिणाम हासिल करने का प्रयास करेंगे।

उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए गोविवि ने मिलाया हाथ

ईडीआईआई व गोविवि के प्रमुखों ने समझौता ज्ञापन पर किया हस्ताक्षर, यह समझौता ज्ञापन छात्रों को सही दिशा दिखाएगा : प्रो. राजेश सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। पूर्वांचल में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नए अवसर तलाशने में गोरखपुर विश्वविद्यालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) मिलकर काम करेंगे।

कुलपति प्रो. राजेश सिंह और ईडीआईआई महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

दोनों संस्थाएं कार्यक्रमों, अनुसंधान और पॉलिसी एडवोकेसी के माध्यम से बड़े पैमाने पर छात्रों और समाज के बीच एंटरप्रेन्योरशिप को एक व्यावहारिक कैरियर विकल्प के रूप में स्थापित करने की कोशिश करेंगी। ईडीआईआई अहमदाबाद एक स्वायत्त और गैर-लाभकारी संस्थान है, जिसकी स्थापना 1983 में की गई थी। उद्यमिता शिक्षा, अनुसंधान, पॉलिसी एडवोकेसी, स्टार्ट अप और नवाचार, एमएसएमई विकास, ट्रेनिंग और इंस्टीट्यूशन बिल्डिंग में एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संसाधन संस्थान है।

कुलपति ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। अमर उजाला

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड, आईएफसीआई लिमिटेड, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और गुजरात सरकार इसके प्रमोटर हैं। ईडीआईआई को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सेंटर ऑफ एक्सीलैंस के रूप में मान्यता दी गई है। नवीन साझेदारी के तहत इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और स्टार्ट अप में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ एंटरप्रेन्योरशिप सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम, उद्यमिता में क्षेत्र विशेष कार्यक्रम, उद्यमिता जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम और उद्यमिता अनुसंधान से संबंधित कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने कहा कि 'उद्यमिता एक ऐसा विषय है जिसे छात्रों को उपलब्ध अवसरों को देखते हुए और अधिक एक्सप्लोर करने की जरूरत है। यह समझौता ज्ञापन छात्रों को सही दिशा दिखाएगा।

ईडीआईआई महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा कि ईडीआईआई उद्यमशीलता और स्टार्ट अप के लिए एक उत्साहित वातावरण बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हम इस समझौते के तहत भी बेहतर परिणाम हासिल करने का प्रयास करेंगे।